वर्ष- 2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0	5	1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 – 1183749

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	3	2	4	0	2	8	5

शब्दों में

दो	दो	तीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	आठ	पाँच

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHO...
माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल.माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 109

ग – परीक्षा की दिनांक 19 | 02 | 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा

केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Gyanendra pandey	[signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्त... मुद्रा	परीक्षक ... धारित मुद्रा
एस. ख... V. No. 392...	Sm... ar V. ... 1

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक ( )
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

Oddy®
Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक-01

सही विकल्प चुनिए -

I. जग-जीवन का 1

II. तुलसीदास की 1

III. अब मन खाली न हो 1

IV. चाँद सिंह को 1

V. आनन्द यादव 1

VI. उपरोक्त सभी 1

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 02

रिक्त स्थान भरिए -

I. प्रत्याशा ।

II. लछमिन ।

III. मराठी ।

IV. कम अधिक ।

V. उत्साह ।

VI. मात्रिक ।

VII. आकाश ।

उत्तर क्रमांक - 03

सही जोड़ी मिलाइए -

I. बात की चूडी मर जाना - बात का प्रभावहीन हो जाना

II. अवधूत - शिरीष के फूल

III. सिल्वर वैडिंग - यशोधर बाबू

IV. कहानी का केन्द्रीय बिन्दु - कथानक

V. चौपाई छन्द - 16-16 मात्राएं

VI. तत्सम - संस्कृत के मूल शब्द

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 04

एक वाक्य में उत्तर -

I. सूर्योदय होने पर ।

II. 2 (दो) ।

III. मोहनजोदड़ो ।

IV. 15-30 मिनट ।

V. तीन ।

VI. अपनों से बिछुड़ जाना ।

VII. क्रिया विशेषण - जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते है क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक-05

सत्य / असत्य लिखिए -

I. सत्य ।

II. असत्य ।

III. सत्य ।

IV. असत्य ।

V. असत्य ।

VI. सत्य ।

उत्तर क्रमांक -06

बच्चे अपने माता - पिता की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे क्योंकि सुबह जल्दी - जल्दी उनके माता - पिता दाने की खोज में घर से निकले थे । माता - पिता के वात्सल्य से वंचित बच्चे एवं भूख प्यास से व्याकुल उनके शीघ्र लौटने की आशा से अपने नीड़ों से झाँक रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि माता - पिता घर लौटकर न सिर्फ भोजन देंगे अपितु ढेर सारा स्नेह भी लुटायेंगे ।

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

पृष्ठ क्र. कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 07 (अथवा)

कवि उमाशंकर जोशी जी ने छोटा मेरा खेत में अंधड एवं बीज शब्दो का प्रयोग किया है। इस कविता मे अंधड भावात्मक आवेग की आँधी तथा बीज विचार एवं अभिव्यक्ति अभिव्यक्ति को माना गया है। कवि के मन में भावात्मक आवेग से कोई विचार आता है जिससे एक साहित्यिक कृति की रचना होती है।

उत्तर क्रमांक - 08

भक्तिन के आने से महादेवी देहातिन इसलिए हो गयी क्योंकि वह स्वयं अपने आप को दूसरो के अनुसार न बदलकर दूसरो को अपने अनुसार बदल देती थी और वह महादेवी वर्मा को भी अपने बदलकर देहातिन बना देती है जैसे सुबह मठ्ठे से खाना बना देना, बाजरे के दाने लगाकर पुए बनाना, ज्वार के दाने से दलिया, मक्के की रोटी बनाना और महादेवी वर्मा को न चाहते हुए भी ये खाना खाना पड़ता था। इस प्रकार वह महादेवी को देहातिन बना देती है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

M P B S E

उत्तर क्रमांक - 09 (अथवा)

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत माना है क्योंकि जिस प्रकार एक सन्यासी विषय-वासनाओ, भोगी से ऊपर उठा हुआ होता है उसी प्रकार शिरीष का फूल भी भयंकर गर्मी, ताप को सहकर शीतल बना रहता है और चहुँओर अपनी सुन्दरता बिखेरता है। जिस प्रकार एक सन्यासी सुख दुख सबको एक भाव से लेकर सहकर - न करता है उसी प्रकार शिरीष भी भयंकर गर्मी को सहकर मस्त बना रहता है। इसलिए शिरीष को कालजयी अवधूत माना गया है।

उत्तर क्रमांक - 10

कविता के प्रति लगाव से पहले और बाद में लेखक की अकेलेपन के प्रति धारणा बदल गयी क्योंकि पहले लेखक को खेत मे काम करते समय, पानी लगाते समय अकेलापन खटकता था किसी से बात करते हुए गपशप करते समय हुए हँसी मजाक करते हुए काम करना अच्छा लगता था। लेकिन अब कविता के प्रति लगाव से उसका अकेलापन

प्रश्न क्र.

दूर कर दिया है। क्योंकि अकेले रहकर कविता को तेज आवाज में न सिर्फ गाया जा सकता है अपितु अभिनय भी किया जा सकता है। धुई-धुई करके नाचा भी जा सकता है। इस प्रकार अब कवि को अकेलेपन में मजा आने लगा।

उत्तर क्रमांक - 11 (अथवा)

~~समाचार लेखन में (क्या, कहाँ, क्यों, कैसे, कौन, कब) क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे~~

मुद्रित माध्यमों के लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य निम्नलिखित हैं -

I. छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होना चाहिए।
II. मुद्रित माध्यम की शैली आकर्षक होनी चाहिए।
III. भाषा सादी, सरल होनी चाहिए।

IV. लेखक को स्वयं महसूस करना चाहिए कि वो पढ रहे हैं।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - १२

करुण रस - जब शोक नामक स्थायी भाव का विभाव, अनुभाव, संचारी भाव से संयोग होता है तो वहाँ करुण रस होता है।

उदा :- अभी तो मुकुट बँधा था माथ
हुए कल ही हल्दी के हाथ
खुले भी न लाज के बोल
खिले भी न चुम्बन शून्य कपोल
हाय ! रुक गया यही संसार
बना सिन्दूर अंगार ॥

उत्तर क्रमांक - १३

सोरठा छन्द - सोरठा एक मात्रिक छन्द है इसके पहले एवं तीसरे चरण मे ११-११ मात्राएँ तथा दूसरे और चौथे चरण में १३-१३ मात्राएं होती हैं।

उदा॰ - बार-बार कह राऊ सुमुखि
सुलोचनि पिक बयनि
कारन मोहि सुनाओ गजगामिनी (गज)
निज कोप कर ॥

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर कम्रांक -१४.

मुहावरे	लोकोक्ति
१. मुहावरा एक वाक्यांश होता है अर्थात यह किसी वाक्य के एक अंश होता है।	लोकोक्ति एक पूर्ण वाक्य होती है।
२. मुहावरे के पीछे कोई घटना या कहानी नही होती है। उदा:- नौ दो ग्यारह होना।	लोकोक्ति के पीछे एक कहानी या घटना होती है। उदा:- ऊँट के मुँह मे जीरा।

उत्तर क्रमांक -15

वाक्य शुद्धि.

1. ईश्वर के अनेक नाम है।
2. मुझे केवल बीस रुपये दीजिए।

M P B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

पृष्ठ पर अंक   कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 16

तुलसीदास -

दो रचनाएँ - कवितावली, रामचरित मानस, दोहावली।

भावपक्ष - राम भक्तिकीभावना - तुलसीदास ने राम के भक्त के रूप में स्वयं को प्रतिष्ठित किया है। मर्यादापुरुषोत्तम राम ही उनके आराध्य हैं इसलिए उन्होने ने अपने अधिकांश काव्य मे राम का वर्णन किया है।

लोकमंगल की भावना - तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना है। अनेक भगवान ने न जाने कितने लोगो का उद्धार करके कल्याण का कार्य किया है।

मार्मिक स्थलो का चित्रण - तुलसीदास को एक भावुक कवि माना जाता है। उन्होने अनेक मार्मिक स्थलो को चित्रण अपने काव्य में किया है।

M P B S E

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

MPBSE

प्रश्न क्र.

कलापक्ष- भाषा- तुलसी दास की भाषा मूलतः ब्रज एवं अवधी रही है। कवितावली में उन्होने ब्रज भाषा का प्रयोग किया है और रामचरित मानस में अवधी भाषा का प्रयोग किया है।

शैली- तुलसीदास ने अपने पूर्व के कवियो की लगभग सभी शैलियो को अपनाया है। रामचरित मानस प्रबन्ध शैली में लिखा गया महाकाव्य है।

अलंकार - तुलसीदास ने शब्द एवं अर्थ दोनो अलंकारो का प्रयोग किया है। अनुप्रास, रूपक, पदमैत्री, उपमा आदि अलंकारो का प्रयोग किया है।

साहित्य में स्थान - तुलसी दास का हिन्दी साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान है। तुलसीदास से जीवन जीने की कला सीखी जा सकती है। वे अपनी रचनाओ के कारण साहित्य जगत में सदैव याद रखे जायेगे। उनका एक प्रसिद्ध महाकाव्य रामचरित मानस एक बहुत लोकप्रिय महाकाव्य है।

प्रश्न क्र.

L

M P B S E

उत्तर क्रमांक - 18

महादेवी वर्मा -

रचनाए - नीहार, नीरजा, यामा।

भाषा- महादेवी की भाषा अत्यन्त सहज, स्पष्ट एवं सुसंगठित है। उन्होने संस्कृत निष्ठ खडी बोली को अपनाया है। इनकी रचनाओ में अंग्रेजी और उर्दू शब्दो का भी प्रयोग हुआ है जैसे - लेक्चर, स्पीकर आदि। आपने तत्सम एवं तद्भव शब्दो को भी अपनाया है। मचिया जैसे आंचलिक शब्दो का प्रयोग किया है। आपकी भाषा पात्रानुकूल रही है जैसे भक्तिन कहती है तुम पचै का, का बतायी यहै पाँच बरस से संग रहित है। मुहावरो और लोकोक्ति के प्रयोग से आपकी भाषा मे चमत्कार उत्पन्न किया है।

शैली - सूक्ष्म महादेवी वर्मा ने कई प्रकार की शैलियो को अपनाया है जैसे -

1. सूत्रात्मक शैली- महादेवी वर्मा ने बात का कम शब्दो

प्रश्न क्र.

में कहने के लिए सूत्रात्मक शैली का प्रयोग किया।

चित्रात्मक शैली - इन्होंने अपने काव्य में चित्रात्मक शैली को अपनाया है इसके माध्यम से घटना का चित्र हमारे आँखो के समक्ष उत्पन्न हो जाता है। गिल्लू इनका प्रसिद्ध शब्दचित्र है।

विवेचनात्मक शैली - गम्भीर विषयो, निबन्धो का वर्णन करने के लिए इन्होंने विवेचनात्मक शैली को अपनाया है।

साहित्य में स्थान - महादेवी वर्मा को हिन्दी साहित्य में एक कवियित्री के रूप में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। महादेवी वर्मा छायावाद की आधार स्तम्भ के चिव कवियो में से एक है। इनकी प्रसिद्ध कृति यामा के लिए इन्हे ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया।

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 18

	उपसर्ग	प्रत्यय
i.	उपसर्ग सार्थक शब्द के प्रारम्भ में जुड़ते है।	प्रत्यय सार्थक शब्द के अन्त में जुड़ते है।
ii.	उपसर्ग प्रारम्भ में जुड़कर अर्थ में परिवर्तन कर देते है।	प्रत्यय शब्द के अन्त में ~~जुड़क~~ जुड़कर अर्थ में परिवर्तन करते है।
iii.	प्र, परा, अपि आदि ~~प्रत्यय~~ उपसर्ग है जो शब्द के प्रारम्भ में जुड़ते है।	ऐरा, इत आदि उपसर्ग है।
	उदा० - परा + जय = पराजय	उदा० - मीठा + आई = मीठाई.

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

[ ] + [ ] = [ ]

योग ५५ पृष्ठ   पृष्ठ १० ... अंक   कुल

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

MPBSE

उत्तर क्रमांक -19 (अथवा)

(i.) शीर्षक - शौर्य एवं देशप्रेम : एक राष्ट्रीयभावना)

ii. राष्ट्रीय भावना में शौर्य भाव एक विशिष्ट स्थान है।

iii. सुदीर्घ - बहुत लम्बा या बहुत पुराना।

उत्तर क्रमांक -20 (अथवा)

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के कविता के बहाने से लिया गया है। इसके रचयिता कुँवर नारायण जी हैं।

प्रसंग → प्रस्तुत पद्य में कवि ने कविता एवं चिड़िया की उडान की तुलना करते हुए कविता की उडान को असीमित तथा चिडिया की उडान का सीमित बताया है.

अर्थ → कविकहते है कि जिस प्रकार कवि चिड़िया उड़कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर सरलता से पहुँच जाती है उसी प्रकार कविता भी एक लम्बी यात्रा

प्रश्न क्र.

तय करती है। कवि अपनी कविता में कल्पना के पंख लगाकर उसे एक लम्बी ऊचाइयो तक ले जाता है। जबकि चिड़िया की उड़ान सीमित होती है वह केवल इस घर, उस घर, अन्दर, बाहर उड़ती है। चिड़ियो को एक समय के बाद थककर वापस लौटना पड़ता पड़ है। जबकि कविता अनन्त काल तक लोगो को आनन्दित करती है वह असीमित उड़ान भरती है जिसका अनुमान सीमित उड़ान वाली चिड़िया कैसे लगा सकती है।

विशेष - I. कविता एवं चिड़िया के उड़ान की मनोरम तुलना की गयी है।

II. भाषा सरल, सहज खड़ी बोली है।

III. बिम्ब योजना सटीक एवं सार्थक है।

IV. अनुप्रास, उत्प्रेक्षा अलंकारो का प्रयोग है।

+ =

कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 2

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के बाजार दर्शन पाठ से लिया गया है इसके रचयिता जैनेन्द्र कुमार जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्य में कवि ने पैसे एवं पर्चेजिंग पावर के बारे में बताया है।

अर्थ - कवि कहते है कि पैसा है तो पावर है अर्थात पैसा होने पर व्यक्ति बहुत शक्तिशाली बन जाता है। अगर लोगो के आस-पास माल अर्थात् समान ही न हो तो कैसे पता चलेगा कि वह अमीर है। अगर पैसा देखना है तो लोगो को बैंक हिसाब देखना चाहिए, लेकिन सामान, मकान, कोठी तो ऐसी वस्तुएँ है जो बिना देखे ही दिख जाती है। अगर हमे पैसे की पावर दिखानी है तो हमे उसका उपयोग करना चाहिए। अत्याधिक सामान खरीदना चाहिए क्योंकि पर्चेजिंग

MPBSE

प्रश्न क्र.

पावस्र अर्थात खरीदने की शक्ति ही तो पावर है।

विशेष - I. पैसे की महत्ता के बारे में बताया गया है।

II. खड़ी बोली का प्रयोग है।

III. पर्चेसिंग पावर जैसे अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग है।

M
P
B
S
E

+ [ ] =

अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 22

सेवा में

श्रीमान् निगमायुक्त
नगर निगम जबलपुर।

विषय :- नियमित जल की आपूर्ति करवाने हेतु आवेदन पत्र।

मान्यवर,

सविनय नम्र निवेदन है कि मैं जबलपुर के गंगोत्री नगर का निवासी हूँ। हमारे नगर/मोहल्ले में पानी की विकराल समस्या है क्योंकि यहाँ नियमित पानी की आपूर्ति नहीं की जाती है।

अतः श्रीमान् जी से मेरा नम्र निवेदन है कि नियमित जल आपूर्ति हेतु कोई व्यवस्था की जाए।

सचिव गंगोत्री कॉलोनी
अ ब स

M P B S E

मध्यप्रदेश
MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक- 23

पर्यावरण प्रदूषण: उसकी रोकथाम में आपका योगदान -

पर्यावरण प्रदूषण आज एक ज्वलंत समस्या है। पर्यावरण प्रदूषण के कई रूप हैं जैसे - जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, रेडियो धर्मी प्रदूषण। जल प्रदूषण के कारण आज लोगों के समक्ष पानी की एक विकराल समस्या है। आज वायु प्रदूषण का स्तर भी बहुत बढ़ गया है जिसकी वजह से अनेक बीमारियाँ जैसे - अस्थमा, फेफड़े का कैंसर आदि बीमारिया मनुष्य में पैदा हो रही हैं। पेड़ों को आज अत्याधिक काटा जा रहा है जो प्रदूषण बढ़ने का एक प्रमुख कारण है क्योंकि वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण को कम करते हैं। पॉलीथीन, प्लास्टिक आदि भी प्रदूषण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण कारक हैं। क्योंकि इन्हे कभी अपघटित नही किया जा सकता है इनको

प्रश्न क्र.

जलाने से अनेक अधिक हानिकारक गैसे निकलती है जो पर्यावरण में अत्याधिक हानिकारक प्रभाव डालती है। अगर पॉलीथीन किसी के पेट मे चली जाए तो उसकी बिना समय मृत्यु हो जाती है क्योंकि यह हमारी आंत को खराब कर देती है। पर्यावरण प्रदूषण के प्रति लोगो को जागरूक होने चाहिए। उन्हे कचरा जलना नही चाहिए बल्कि जो उपस्थित होने वाला कचरा हो उसे गड्ढा खोदकर उसमे डालना चाहिए और जब वह भर जाए तो उसे बन्द कर देना चाहिए कुछ समय बाद उससे एक अच्छी खाद तैयार हो जाएगी। और पर्यावरण प्रदूषण भी नही होगी। लोगो को प्लास्टिक की वस्तुओ जैसे पॉलीथीन का उपयोग करना चाहिए उसकी जगह कपड़े का थैला, कागज का थैला उपयोग करना है। फैक्ट्री से निकलने वाले गंदे पानी को नदी तालाब में नही मिलाना

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

चाहिए। पशुओ को तालाब, नदी में नही नहलाना चाहिए। घरो का गंदा पानी, नालियो को तालाब, नदी में मिलना चाहिए। सरकार को भी पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए लोगो का जागरुक करना चाहिए। लोगो का जागरुक करने के लिए सरकार अनेक कार्यक्रमो को आज चला रही है। विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति ने पर्यावरण प्रदूषण को बढाने में मदद की है। जैसे परमाणु बम को प्रयोग अत्यधिक घातक होता है जो पर्यावरण को व्यापक रुप से प्रभावित करता है।

M P B S E